डा॰ कुमकुम राय: सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहती हूं कि क्या सर्वशिक्षा अभियान में मुस्लिम छात्र-छात्राओं की उर्दू माध्यम से शिक्षा देने और उर्दू में पाठ्य पुस्तकें देने का विचार कर रही है या अभी वर्तमान में पुस्तकें उपलब्ध करा रही है?

श्री ए॰आर॰ अन्तुले: मान्यवर, चूंकि यह शिक्षा का सवाल है, अभी तक मॉयनोरिटी एफेयर्स मिनिस्ट्री में नहीं आया है। इसलिए मैं समझता हूं कि इसका सही जवाब एच॰आर॰डी॰ मिनिस्ट्री ही दे सकता है।

SHRI R. SHUNMUGASUNDARAM: Sir, my question is regarding reservation to minorities. Reservation to minorities in educational institutes is nothing new to this country. In the year, 1927, the first Justice Party Ministry, in the Madras Presidency, brought out a communal G.O. giving reservation to minorities. I would like to know whether the Union Government is considering any proposal to bring forward a Central Legislation to give reservation to minorities.

श्री ए॰ आर॰ अन्तुले: माननीय सभापति महोदय, यह भी एच॰आर॰डी॰ से संबंधित है, इसलिए उनको ही जवाब देना चाहिए। इसका जवाब मैं नहीं दे सकता हूं

Reach of DD-India

*308. SHRIMATI KAMLA MANHAR: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleasd to state:

(a) whether after the recent visit of Prime Minister to USA, UK and the Middle East, Doordarshan has conducted a study on the impact and reach of Doordarshan India (DD-India) channel;

(b) whether it is a fact that tenders were invited for conducting feasibility study for these countries and companies have been short listed;

(c) if so, the details thereof;

(d) whether despite PMO's instructions and tenders specification, letter of offer has been issued only for Middle East; and

(e) if so, what are the reasons for not issuing letter of offer for USA and UK and steps being taken to include them as prescribed in the tender document?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYARANJAN DASMUNSI): (a) No, Sir.

(b) to (e) Prasar Bharati have informed that the matter of awarding a contract under Doordarshan's tender for conducting a study on the reach

and impact of its DD-India Channel has not yet been finalised. Prasar Bharati have informed that no such instuctions were received.

श्रीमती कमला मनहर: माननीय सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने मेरे प्रश्न के उत्तर में बताया है कि दूरदर्शन द्वारा डी॰डी॰ इंडिया चैनल की पहुंच व प्रभाव का अध्ययन इत्यादि कराने और उसकी निविदा के बारे में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। मेरा इस संबंध में यही कहना है कि अभी तक निर्णय न लेने के क्या कारण हैं और कब तक इस बारे में निर्णय ले लिया जाएगा और आदेश दिए जाएंगे।

श्री प्रियरंजन दास मुंशी: महोदय, निर्णय न लेने के कारण यह है कि जहां तक गल्फ रीजन है, उसके बारे में हम लोग टेंडर फ्लोट कर चुके हैं और टेंडर का नतीजा शीघ्र ही निकल कर आएगा। जहां तक यू॰ के॰ की समस्या है, यू॰ एस॰ ए॰ में हम लोग एक ट्रांसपेरेंट वे से टेंडर करके मार्केटिंक के लिए एक कम्पनी को निश्चित कर चुके हैं, जोकि सबसे बढ़िया से आगे आया। *उनके साथ बातचीत समाप्त करके वहां लांच हो जाएगा। दूरदर्शन के चैनल को यू.के. में* दिखाने के लिए ब्राडकास्टिंग लाइसैन्स लेना आवयश्क है जिसके लिए प्रसार भारती की कोशिश जारी है। रजिस्ट्रेशन के बाद ही उसके बारे में हम कदम उठाएंगे। इसलिए इसमें थोड़ा विलम्ब हुआ है। जहां तक मिडिल ईस्ट का सवाल है, उसके बारे में टेंडर जल्दी ही निश्चित किया जाएगा।

श्रीमती कमला मनहर: यू॰ एस॰ ए॰, यू॰ के॰ और मिडिल ईस्ट में प्रभावी ढंग से दूरदर्शन की पहुंच और प्रभाव हो सके उसके लिए क्या कदम उठाने का विचार है, क्योंकि दूरदर्शन की साइट पर यह लिखा है कि 148 देशों में दूरदर्शन के चैनल हैं जबकि सच्चाई यह है कि केवल कनेडा को अलावा अन्य किसी भी देश में दूरदर्शन का चैनल नहीं दिखाया जा रहा है।

श्री प्रियरंजन दास मुंशी: महोदय, यह बात सही है, 1995 में जब प्रधान मंत्री नरसिंह राव थे, तो उसी समय हम लोगों ने दूरदर्शन को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने का प्रयास किया। लेकिन वो प्रयास उस समय इतना जोरदार इसलिए नहीं हुआ कि पी॰बी॰एस॰ सैटेलाइट के द्वारा सौ से अधिक देशों में हम लोगों ने दिखाने की कोशिश की। लेकिन ट्रांसमिशन में कुछ बाधाएं भी आई हैं। अभी हमने दो फैसले किए हैं। फैसला नम्बर-एक, इंडियन डायसपोरा को टारगेट-ऑरिएंट बनाकर डी॰ डी॰ इंडिया को कम करेंगे और जल्दी ही डी.डी. इंटरनेशनल जोकि इंडियन इंटरेस्ट के नाम में हम लोग सोच रहे हैं, उसकी तैयारी इतनी तेजी से करेंगे ताकि 2006 के दिसम्बर के पहले अंतर्राष्ट्रीय स्तर में डी॰डी॰ए॰ की जो भूमिका है भारत की इमेज को लोगों के सामने रखने के लिए इंटरनेशनल ऑडियंस को टारगेट करके उसके काम में हम हाथ लगाएंगे।

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.